वर्ष 1 - अंक 52
बुधवार 22 जनवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

विवाह समारोह में दिग्गज नेताओं की उपस्थिति रही

रायपुर। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सांसद शबृजमोहन अग्रवाल के पुत्र आदित्य के विवाह समारोह में प्रतिभाग कर वर-वधू को शुभाशीर्वाद प्रदान कर परिजनों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़,लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला,छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, मंत्री रामविचार नेताम सहित बड़ी संख्या में स्वजनों की उपस्थिति रही।

7 करोड़ रुपये के फंड के गायब होने की शिकायत

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

भोपाल। मध्यप्रदेश के सीधी जिले की बीजेपी विधायक रीति पाठक ने अपनी ही सरकार के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से सार्वजनिक मंच पर तीखा सवाल किया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। रीति पाठक ने मंच से 7 करोड़ रुपये के फंड के गायब होने की शिकायत की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है।

राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी का भव्य स्वागत किया गया

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

इंदौर। जनरल लिस्ट यूनियन ऑफ़ मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी जी का भव्य स्वागत रणजीत टाइम्स न्यूज़ के प्रदेश कार्यालय में जनरल लिस्ट यूनियन ऑफ़ मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय महासचिव श्री प्रदीप तिवारी जी का भव्य स्वागत किया गया। रणजीत टाइम्स के संपादक श्री गोपाल गावंडे जी ने उन्हें महिला की नगरी में स्थित मां अहिल्या की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार उत्सव सोनी, राजेश धाकड़, अनिल बाजपेई, सुनील खंडागले सहित सभी वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति रही। सभी ने मिलकर रणजीत टाइम्स के न्यूज़पेपर और न्यूज़ चैनल की विभिन्न गतिविधियों और समाज में इसके प्रभाव पर गहन चर्चा की। रणजीत टाइम्स की टीम ने उनके स्वागत में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस मौके को प्रेरणादायक बताया। श्री तिवारी जी ने रणजीत टाइम्स के कार्यों की सराहना करते हुए इसे एक सशक्त और सकारात्मक पत्रकारिता का प्रतीक बताया रणजीत टाइम्स परिवार उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

विचार प्रवाह साहित्य मंच के लघुकथा अधिवेशन मंच से मधुरा मन काव्य संकलन का विमोचन

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

इंदौर। दिनांक 19जनवरी को विचार प्रवाह साहित्य मंच इंदौर द्वारा आयोजित तृतीय लघुकथा अधिवेशन में संस्था की सदस्या एवं परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय आर . आर .केट इन्दौर की सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती सुषमा सिन्हा के प्रथम काव्य संकलन मधुरा मन का विमोचन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे साहित्य अकादमी म.प्र.के निदेशक डॉ. विकास दवे एवं मुख्य अतिथि वरिष्ठ लघुकथाकार डॉ. पुरूषोत्तम दुबे के कर कमलों द्वारा किया गया। तीन सत्रों में संपन्न इस अधिवेशन में लघुकथा विधा के अनेक पहलुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर संस्था की संयोजक अध्यक्ष सुषमा दुबे जी , महासचिव अर्चना मंडलोई ' संस्था के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के सूत्रधार मुकेश तिवारी जी के अतिरिक्त भोपाल से पधारे लघुकथा शोध केंद्र के निर्देशिका कान्ता राय , वरिष्ठ लघुकथाकार घनश्याम मैथिल एवं सुनीता श्रीवास्तव ' एवं इन्दौर के अनेक प्रतिष्ठित लघुकथाकार डॉ योगेन्द्र शुक्ला हरेराम' वाजपेयी यशोधरा भटनागर डॉ आरती दुबे सहित कई साहित्यकार उपस्थित थे।

सहजयोग ध्यान से चित्त शुद्धि द्वारा निरानंद की प्राप्ति संभव

परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहजयोग एक शाक्त धर्म है

जो अपने अंदर स्थित 'कुंडलिनी शक्ति' की बात करता है। जिसे अध्यात्म में 'कुंडलिनी शक्ति' कहते हैं, इसे विज्ञान की भाषा में 'कॉस्मिक एनर्जी ' कहते हैं । सहजयोग लेख लेखन की इस श्रृंखला में हम आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के महत्व पर विचार करेंगे। इस आत्मसाक्षात्कार का यथार्थ अनुभव अपनी उँगलियों के पोरों पर, अपने तालु भाग पर ,शीतल चैतन्य लहरियों के रूप में किया जा सकता है। अपना व्यक्तित्व दिनों-दिन, स्थिर, शांत, आनंदमयी बनाना, या इस तरह का परिवर्तन अपने अंदर घटित हो रहा है क्या? इस तथ्य पर आत्मपरीक्षण करना, इसे सहजयोग में चित्त शुद्धि कहा गया है ।

जो भी साधक इस शक्ति से जुड़ना चाहते हैं, इससे एकाकार होने की शुद्ध इच्छा रखता है, उसके अंदर तत्क्षण यह आत्मसाक्षात्कार घटित होता है, परंतु किसी - किसी को इसकी अनुभूति तुरंत नहीं होती, चित्त की विकलता तथा बहुत अधिक विचार इसका कारण होते हैं। अगर इस शक्ति को अपने अंदर स्थापित करना है, तो आपको आपके चित्त पर एक अलोचक की तरह नजर रखनी होगी । खुद से प्रश्न पूछना होगा की अब, इस वक्त मेरा चित्त कहाँ है? ये सब नकारात्मकताओं पर मैं क्यूं चिंतन कर रहा हूँ । इन सभी विचारों से मुझे क्या लाभ होनेवाला है? ऐसे में जब हम अपना चित्त, अपना ध्यान अभ्यास द्वारा अपने दाएं स्वाधिष्ठान चक्र पर केंद्रित करते हैं, परमेश्वरी माँ से या उस परमशक्ति से प्रार्थना करते हैं, कि माँ मैं एक शुद्ध आत्मतत्व हूँ । आप मेरा चित्त शुद्ध कर दीजिए। अगर दो मिनिट भी आप इस तरह की प्रार्थना करते हैं, तो आप देखेंगे धीरे धीरे आपका चित्त शांत होगा, और शांत नहीं हुआ तो आपको बता देगा कि आप शांत नहीं हैं, अस्थिर हैं । आप खुद उस अस्थिरता का कारण जान जाएंगे और उस कारण को उस शक्ति के श्री चरणों में समर्पित कर देंगे

सहजयोग संस्थापिका परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, आपके चित्त पे शक्ति बैठी है । We live by liver क्यूंकि हमारा चित्त ग्रे सेल्स को ब्रेन सेल्स में परिवर्तित कर हमें एकाग्रता देता है, जो यशस्विता की कुंजी है । परंतु अगर हम हमारे चित्त को कूड़े कचरे जैसे विचारों से भर देंगे तो हमारा लिवर गरम हो जायेगा और हमें अनेक बीमारियों की चपेट में ले लेगा । इसलिए स्वयं को चिंताओं, बीमारियों व नकारात्मक विचारों से सुरक्षित रहने हेतु अपना आत्मसाक्षात्कार पाकर अपना चित्त शुद्ध कर, इस पवित्र शक्ति से जुड़कर अपना जीवन भी आनंद से भरने के लिए सहज योग का अनुभव प्राप्त करें।

सहजयोग का अनुभव प्राप्त करने हेतु जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800
बेवसाइट - sahajayoga.org.in

अपने क्षेत्रज्ञ का बोध करने का माध्यम

सहजयोग

देव देव्हाऱ्यात नाही |
देव नाही देवालयी ।
देव आपणात आहे ।
शीर झुकवोनिया पाहे ।
तुझ्या माझ्या जड देही ।
देव भरूनिया राही ॥
ग.दि.माडगुळकर.

प्रसिध्द मराठी कवी ग.दि.माडगुळकर. जी की रचना से ली गयी उपरोक्त पंक्तीयाँ सहजयोग का वर्णन कर रही है । हम सब खोजी है, साधक है, इसलिये भगवान को अपने घर के मंदीरो में,और तीर्थस्थानो पर खोज रहे है । तीर्थस्थलो पर जो भीड हम देखते है, भगवान दर्शन करने के लिये व्हीआयपी कतारे और ज्यादा पैसा देकर तात्काळ दर्शन कराया जाता है । यह सब हमे आत्मपरीक्षण करने के लिये मजबूर कर देता है | क्या भगवान इतने सस्ते है? ज्यो पैसे से भी खरीदे जा सकते है ! अगर ऐसा होता,तो ज्यो देश भौतिक दृष्ट्या संपन्न है, वे इतने अस्थिर नही होते, वहाँ इतनी ज्यादा मनोदेहिक बिमारीयाँ और आत्महत्याये नहीं होती ।

परमपूज्य माताजी कहते है, अब सहजयोग का सूर्य प्रांगण में उतरा आया है, अब आपको शुद्ध इच्छा जागृत कर आत्मसाक्षात्कार मांगना होगा । सारी जिवंत क्रियाये अपने आप होती है । फुल का फल में और बाद में वृक्ष होना, ऋतू बदलना ये सारी चीजे अपने आप हो रही है । कोई भी सामान्य व्यक्ती जब आत्मसाक्षात्कार माँगता है तो योग की यह क्रिया उसके अंतरंग से घटीत होती है और उसके पिंड में सुप्तावस्था में स्थित शक्ती तत्क्षण सारे चक्रो लाँघकर, उसे निविर्चार अवस्था प्रदान करती है । परमपूज्य श्री माताजी कहते है ,जिस प्रकार बिजली का उपयोग संपूर्ण मानव जाती के लिये है । उसी प्रकार सहजयोग भी हम और आप जैसे सामान्य जनो के लिये है, संपूर्ण मानवता के लिये है| भगवान ने हमारे अंदर जिवंत यंत्र बनाया है, जिसे सुरती कहते है । सारे सृष्टी की रचना कितनी खुशी से की गयी है । आत्मा को पहचाने बगैर आपका भ्रम नहीं टूटेंगा । और आप परमात्मा को नही जान सकते । ज्यो कुछ भी आप जानते है, वो ज्ञान मात्र है, बोध नहीं, बोध आत्मा को जानने के बाद आता है । कुंडलिनी सुक्ष्म शक्ती है, जिसे आँखो से नही देख सकते । जब तक हमे आत्मसाक्षात्कार नहीं मिलता तब तक अहंकार और प्रति अहंकार से हमारा मस्तीष्क ढका हुआ रहता है । और हम स्वतंत्र होते है, परमात्मा से दूर होते है, अज्ञान में होते है । इसलिये हमारे गलत व्यवहार का भी हम समर्थन करते है, या हमे लगता ही नहीं की हम गलती कर रहे है । तो हम सुधरेंगे कैसे, हमारा उत्थान कब होगा? परंतु आत्मसाक्षात्कार के बाद हम जान जाते है की परमात्माने हमारे जड शरीर के साथ सुक्ष्म शरीर की रचना की और अंकुर भी दे दिया । हमारे अंदर आत्मा है, क्षेत्रज्ञ है, वो हमे जानता है परंतु वो हमारे सेंट्रल नर्व्हस सिस्टम में नहीं है,अर्थात हम उसे नही जानते । परंतु विश्व के हम सभी सहजी आत्मविश्वास पूर्वक आपको बता दे, हम हमारे क्षेत्रज्ञ का बोध कर सकते है । 'देव आपणात आहे ', इसकी साक्षात अनुभूती ले सकते है, तो आईये और खुले हृदय और मस्तिष्क से अपना आत्मसाक्षात्कार माँगिये !

आज की युवा पीढ़ी आत्महत्या के लिए क्यों हो रही विवश?

रणजीत टाइम्स (राजेश धाकड़)

वर्तमान समय में आत्महत्या के मामले विशेष रूप से युवा पीढ़ी में बढ़ते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय बन चुके हैं। विशेष रूप से छात्र-छात्राओं के बीच यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। एक ओर जहां युवा भविष्य को लेकर दबाव महसूस कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर माता-पिता और समाज की अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ती समस्या के पीछे सबसे प्रमुख कारण मानसिक दबाव और पारिवारिक मार्गदर्शन की कमी हो सकती है। कई बच्चों को अपनी पढ़ाई और करियर के बारे में सही दिशा-निर्देश नहीं मिल पाते, जिससे वे तनाव और अवसाद का शिकार हो जाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि माता-पिता को बच्चों के मानसिक स्थिति को समझने की आवश्यकता है, ताकि वे उन्हें सही मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान कर सकें। साथ ही, शिक्षा संस्थानों को भी छात्रों की मानसिक स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि वे किसी भी मानसिक परेशानी का सामना करने पर उपयुक्त मदद प्राप्त कर सकें। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए विशेषज्ञों ने समाज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए , ताकि आत्महत्या जैसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके और युवा पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य की ओर मार्गदर्शन मिल सके।

जल आवर्धन योजना पर जनता को मिल रही तारीख पर तारीख

घरों के आगे से चोरी हो रहे मीटर

बुरहानपुर, (निप्र)। जल आवर्धन योजना के अंदर बुरहानपुर नगर की जनता को तारीख पर तारीख दी जा रही है किंतु यह योजना अभी तक पूरी नहीं हुई है और जिस प्रकार इस योजना के तहत शहर के कई हिस्सो में मीटर लगाए गए है वहां से मीटर चोरी हो रहे है और मीटर लोगो के घरों के बाहर लगाए गए है। लोग कब तक इसकी रखवाली करेंगे और मीटर चोरी करने वाले पाईप को भी गलत ढंग से काट रहे है जिसके कारण उपभोक्ताओं को अधिक खर्च उठाना पडेगा।

हमारे प्रतिनिधी ने शहर के कुछ हिस्सो का भ्रमण किया है तो सिटी कोतवाली के पास, साडी बाजार के सामने , मेडिकल स्टोर्स का मीटर चोरी गया । उनके आसपास के भी मीटर चोरी गए है। फिर कैसे जल आर्वधन योजना कार्यान्वित होगी? बुरहानपुर नगर की जनता को मूर्ख बनाने का, बुरहानपुर के कुछ नेताओ से सीखना चाहिए? एक नेता ने जल आवर्धन योजना की वाहवाही लूटने के लिए सार्वजनिक नल पर स्नान कर लिया और कहा कि यह योजना मैंने लायी है। पहले अक्टूबर में यह योजना पूरी तरह लागू हो जाएगी यह कहा गया फिर तारीख दी गयी कि दिसंबर में यह योजना पूरी हो जाएगी । जनवरी की 20 तारीख हो गई सांसद महोदय ने आक्रोश व्यक्त किया। अधिकारियो से जल्दी से जल्दी योजना को पूरा करने के निर्देश दिए । नगर की जनता को इस पर भी भरोसा नहीं है क्योंकि शहर में कई हिस्सो में अभी भी गडडे खोदे जा रहे है।फिर कैसे 10 दिनो में यह योजना पूरी हो जाएगी?इस योजना से लोग परेशान है। शहर में जिधर देखो उधर गडडे हुए है। उनको ठीक ढंग से भरा भी नहीं गया है। अमृत योजना के तहत नगर की जनता को तारीख पर तारीख दी जा रही है। जो चर्चा का विषय है तथा साथ ही साथ जो मीटर चोरी जा रहे है उसको लेकर भी कई तरह की चचाएं है। मीटर चुराने वाले से मीटर कौन खरीदेगा? क्योंकि मीटर किसके काम का? पुलिस को इसकी भी जांच करनी चाहिए और बगैर राजनीतिक दबाव में आए मीटर चोरी करने वाले के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए।आम जनमानस में यह भी चर्चा है कि नगर के विपक्ष के नेता जिस मुददे को प्राथमिकता से उठाना चाहिए उन मुददो की ओर तो ध्यान भी नहीं देते । एक प्रवासी का कहना था कि ज्वलंत मुददो की ओर ध्यान देंगे तो उनकी दुकानदारी कैसे चलेगी?

कलेक्टर ने की कार्यवाही सहायक ग्रेड-3 को भृत्य के पद पर किया अवनत

बुरहानपुर, (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत परियोजना कार्यालय खकनार के सहायक ग्रेड-3 सुभाष काकडे पर दोष सिद्ध होने पर कार्यवाही करते हुए भृत्य के पद पर अवनत किया हैं। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने यह कार्यवाही म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण, तथा अपील) नियम 1966 के नियम 10 में प्रावधानित दीर्घ शास्ति (मुख्य शास्ति) अंतर्गत की हैं।

विदित है कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत जिसमें यह बताया गया कि संबंधित सहायक ग्रेड-3 सुभाष काकडे द्वारा आंगनवाड़ी सहायिका के पद पर भर्ती हेतु राशि मांगी गई थी। शिकायती की गंभीर प्रकृति और विभागीय प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर माह जुलाई 2024 में सुभाष काकडे को निलंबित किया गया था। कलेक्टर के आदेशानुसार मामले की विभागीय जांच संस्थित करने के संबंध में आरोप पत्र, आधार पत्र, जारी कर विभागीय जांच अधिकारी अपर कलेक्टर और परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को नियुक्त कर जांच प्रतिवेदन चाहा गया।

विभागीय जांच अधिकारी द्वारा प्रकरण में निलंबित सहायक ग्रेड-3 सुभाष काकडे को जांच में सुनवाई का पर्याप्त अवसर देकर समक्ष में सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सुभाष काकडे ने संतोषप्रद स्पष्टीकरण नहीं दिया। विभागीय जांच अधिकारी के समक्ष जांच के दौरान प्रति परीक्षण में दोष सिद्ध होता हैं कि सुभाष काकडे का यह कृत्य अपने पद का दुरुपयोग कर म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 13,14 का स्पष्ट उल्लंघन होकर वित्तीय लाभ लेने की श्रेणी में आता हैं। जांच प्रतिवेदन के आधार पर पद से अवनत करने की कार्यवाही की गई है। जारी आदेशानुसार सुभाष काकडे को कार्यालय परियोजना अधिकारी नेपानगर के रिक्त भृत्य के पद पर किया जाता है तथा निलंबन से बहाल कर निलंबन अवधि को अकार्य दिवस किया जाता है।

कलेक्टर ने ली राजस्व महाअभियान की समीक्षा बैठक

कार्यों में प्रगति नहीं मिलने पर राजस्व अधिकारियों पर जताई नाराजगी

बुरहानपुर, (निप्र)। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने राजस्व महाअभियान 3.0 की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने नक्शा तरमीम ,फॉर्मर रजिस्ट्री, आधार से खसरे आरओआर लिंकिंग सहित अन्य कार्यों की तहसीलवार समीक्षा की। कार्यों में प्रगति नहीं मिलने पर राजस्व अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सभी अधिकारी गंभीरता के साथ कार्य संपादित करें और प्रगति लाना सुनिश्चित करें। जो पटवारी महाअभियान के तहत काम नहीं कर रहे हैं, नियमानुसार कार्यवाही करें। एसडीएम अपने-अपने अनुभाग अंतर्गत कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करें, साथ ही सर्वेयर की बैठक ले, जो सर्वेयर काम नहीं कर रहे है उन्हें बदलने की कार्यवाही करें। कार्यों में दिक्कत आने पर तत्काल अपने वरिष्ठ को अवगत कराए।

आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की सूक्ष्मता के साथ समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की शिकायतों का समय सीमा के भीतर संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में आयुष्मान योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, आधार अपडेशन, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए समीक्षा भी की गई।

व्याख्यानमाला का आयोजन

बुरहानपुर, (निप्र)। जन अभियान परिषद् कार्यालय द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की 162 जयंती के पखवाडे पर व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखण्ड बुरहानपुर एवं खकनार के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, नंवाकुर समितियाँ, परामर्शदाता एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। जिला समन्वयक डॉ सुप्रीति यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि व्याख्यानमाला कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन एवं उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर श्री दुबे, योजना आर्थिक सांख्यिकीय अधिकारी श्रीमती लुसिया रावत ने कार्यक्रम में अपने-अपने विचार रखें। जिला समन्यवक डॉ. सुप्रीति यादव द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन विकासखण्ड समन्वयक अमजद खान द्वारा किया गया।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं हेतु अतिथि व्याख्यान का आयोजन

बुरहानपुर, (निप्र)। सेवासदन महाविद्यालय एवं सेवासदन प्रबंधन महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्लेसमेंट सेल द्वारा एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बैंक मैनेजर श्री कपिल महाजन एवं महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मनीष आनंद भट्ट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान फाइनेंशियल अवेयरनेस, बिजनेस एथिक्स और बैंकिंग सिस्टम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कपिल महाजन ने बैंकिंग प्रणाली की बारीकियों और वर्तमान समय में वित्तीय जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को वित्तीय योजनाओं, बचत और निवेश के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

डॉ. मनीष आनंद भट्ट ने व्यापारिक नैतिकता (बिजनेस एथिक्स) पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि नैतिकता का पालन किसी भी व्यवसाय की सफलता की नींव होती है। उन्होंने छात्रों को नैतिक मूल्यों और प्रबंधन कौशल को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सेवासदन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस एम शकील, सेवासदन प्रबंधन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राहुल राठौर, डॉ. शिवानी मेहरा, डॉ. धनराज पाटील और प्रो शैलेंद्र सिकरवार, प्रो. कल्याणी पाटिल, प्रो. नेहा जोषी, प्रो. वैष्णवी कुवादे उपस्थित रहे। इन सभी ने भी अपने विचार साझा करते हुए छात्रों को व्यावसायिक दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की सफलता पर सेवासदन षिक्षा समिति की अध्यक्ष श्रीमती तारिका वीरेन्द्रसिंहजी ठाकुर ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों को उनके करियर निर्माण में मार्गदर्शन देना और उन्हें व्यावसायिक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। छात्रों ने व्याख्यान को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया एवं समिति सचिव श्री हसमुखलाल जरीवाला, मैनेजर श्री मनीष सहित महाविद्यालयीन स्टॉफ ने सराहना की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. इषिका कटियारे ने किया।

रिश्वत मांगने वाले बाबू को कलेक्टर ने बना दिया चपरासी

बुरहानपुर,(एजेंसी)। आंगनवाड़ी सहायिका की भर्ती में रिश्वत मांगने वाले बाबू का डिमोशन कर कलेक्टर चपरासी बना दिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के बाबू सुभाष काकड़े ने आंगनवाड़ी सहायिका की भर्ती में रिश्वत की मांग की थी। जिस पर कलेक्टर भव्या मित्तल ने कार्रवाई करते हुए डिमोशन कर चपरासी बना दिया। सुभाष काकड़े परियोजना कार्यालय खकनार में पदस्थ था। कलेक्टर ने बताया कि सिविल सेवा वर्गीकरण एवं नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 10 में प्रावधानित दीर्घ शास्ति के तहत यह कार्रवाई की गई है।

जुलाई 2024 में किया गया था निलंबित- इससे पहले शिकायत की गंभीर प्रकृति और विभागीय प्रतिवेदन के आधार पर जुलाई 2024 में सहायक ग्रेड-3 सुभाष काकड़े को निलंबित किया गया था। साथ ही अपर कलेक्टर और परियोजना अधिकारी को विभागीय जांच सौंपी गई थी।

जारी आदेशानुसार सुभाष काकड़े को परियोजना अधिकारी नेपानगर कार्यालय में चपरासी के पद पर पदस्थ किया गया है। निलंबन से बहाल कर निलंबन अवधि को अकार्य दिवस माना गया है।

नहीं दिया संतोषजनक स्पष्टीकरण- कलेक्टर ने बताया कि विभागीय जांच संस्थित करने के संबंध में आरोप पत्र, आधार पत्र जारी किए गए थे। विभागीय जांच अधिकारी द्वारा निलंबित सुभाष काकड़े को सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिया गया। इस दौरान उसने संतोषप्रद स्पष्टीकरण नहीं दिया। पद का दुरुपयोग कर मप्र सिविल सेवा आचरण का उल्लंघन है और वित्तीय लाभ लेने की श्रेणी में आता है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर ने सुभाष काकड़े का डिमोशन किया है।

राजस्व अधिकारियों पर जताई नाराजगी- सोमवार को कलेक्टर भव्या मित्तल ने राजस्व महा अभियान 3.0 की समीक्षा बैठक भी ली। उन्होंने नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री, आधार से खसरे आरओआर लिंकिंग सहित अन्य कार्यों की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने कार्यों में प्रगति नहीं मिलने पर राजस्व अधिकारियों पर नाराजगी जताया। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी गंभीरता के साथ काम करें और प्रगति लाना सुनिश्चित करें। जो पटवारी महा अभियान के तहत काम नहीं कर रहे हैं, वे कार्रवाई के दायरे में आएंगे। एसडीएम अपने-अपने अनुभाग अंतर्गत कार्यों की लगातार मानिटरिंग करें। साथ ही सर्वेयर की बैठक ली जाए। जो सर्वेयर काम नहीं कर रहे हैं उन्हें बदला जाए।

इसके अलावा विभागवार सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा कर शिकायतों का समय सीमा में संतुष्टि पूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने कहा। बैठक में आयुष्मान योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, आधार अपडेशन, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की गई।

ग्राहकों से लाखों की धोखाधड़ी, धोखे से हड़प लेता था एफडी की रकम

बुरहानपुर,(एजेंसी)। डाकघर की विभिन्न जमा योजनाओं के ग्राहकों और एलआइसी के पालिसी धारकों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी के आरोपित दंपती को गणपति थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार दोपहर पुलिस ने आरोपित विनोद मालवीय और उसकी पत्नी संगीता को जिला न्यायालय में प्रस्तुत किया।

पुलिस दोनों की रिमांड लेने का प्रयास कर रही है, जिससे पूरे मामले का राजफाश किया जा सके। पुलिस के अनुसार आरोपित डाकघर के ग्राहकों की पासबुक में फर्जी इंट्री कर किस्त की राशि हड़प जाते थे।

एफडी में धोखाधड़ी- एफडी की समयावधि पूर्ण होने पर धोखे से ग्राहक के हस्ताक्षर लेकर उसे दोबारा फिक्स करने की बात कह कर वह राशि भी हड़प जाते थे। इसी तरह एलआइसी के ग्राहकों से भी छल करके बड़ी राशि हड़पी गई है।आरोपितों के खिलाफ धारा 61 (2), 316 (5), 318 (4), व 3,5 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। अभी इस बात का पता नहीं चल पाया है कि इस गबन कांड में डाकघर का कोई कर्मचारी शामिल था अथवा नहीं।

नवंबर में शिकायत होने के बाद से थे फरार- गणपति थाने के एएसआइ सुरेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि आरोपित दंपती के खिलाफ 13 नवंबर 2024 को लालू पुत्र भीका सांवले निवासी आलमगंज ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने खुद के चार लाख रुपये गबन होने की बात कही थी। इसके बाद सात अन्य लोगों ने शिकायत देकर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

20 लाख रुपये की धोखाधड़ी- इन आठ मामलों में धोखाधड़ी की राशि करीब 20 लाख रुपये सामने आई है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि मालवीय दंपती का शिकार बनने वालों की संख्या अस्सी से ज्यादा हो सकती है। साथ ही धोखाधड़ी की राशि एक करोड़ के पार पहुंच सकती है।

मंत्री विजयवर्गीय ने राहुल गांधी पर साधा निशानाः कहा-

आपके पूर्वजों ने बाबा साहब का अपमान किया

उठक-बैठक लगाकर बाबा साहब से माफी मांगें राहुल

ग्वालियर (एजेंसी)। सोमवार को ग्वालियर पहुंचे नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी के पूर्वजों को टारगेट करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी है कि आपके पूर्वजों ने बाबा साहब के साथ बहुत अन्याय किया है, ऐसे में आपको क्षमा यात्रा निकालते हुए बाबा साहब के सामने उठक-बैठक लगाकर माफी मांगनी चाहिए।

मंत्री विजयवर्गीय ने महू में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही जय बापू जय भीम जय संविधान यात्रा के जरिए राहुल गांधी को टारगेट किया और कहा कि राहुल जी और उनके खानदान ने कभी अंबेडकर साहब का सम्मान नहीं किया। नेहरू जी ने सबसे ज्यादा किसी का तिरस्कार किया तो डॉक्टर अंबेडकर का किया था। वह पार्लियामेंट में ना आए उनको हारने को लेकर वे सभा लेने खुद गए। मतदान हो गया वह जीत जाते लेकिन मतगणना में गड़बड़ी की गई। बाबा साहब अंबेडकर ने चुनाव आयोग को शिकायत की थी। उस वक्त 75 हजार वोट कांग्रेस की

सरकार ने इनवेलिड कर दिए। अंबेडकर साहब का सम्मान पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कभी नहीं किया। इसलिए राहुल गांधी डॉक्टर अंबेडकर साहब के प्रति जो कृत्रिकता व्यक्त करने जा रहे हैं उन्हें तो कान पड़कर बाबा साहब के सामने उठक बैठक लगानी चाहिए। औक कहना चाहिए कि मेरे पूर्वजों ने जो गलती की है जो सम्मान आपको मिलना चाहिए था जो नहीं दिया इसके लिए मैं क्षमा चाहता हूं। इसलिए उन्हें क्षमा यात्रा निकालना चाहिए।

स्वच्छता रैंकिंग पर बोले- इंदौर फिर एक नंबर पर आएगा- स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने दावा किया है कि इस बार भी स्वच्छता रैंकिंग में इंदौर देश में नंबर वन आएगा। इस बार मध्य प्रदेश भी नंबर वन आएगा। मध्य प्रदेश में सभी नगर पालिका, नगर निगम के अध्यक्षों और जितने भी अधिकारी हैं उनको निर्देश दिए हैं कि भारत सरकार द्वारा तय किए गए स्वच्छता के जो मापदंड है, उसको पूरा करने का सभी प्रयास करें। पिछली बार मध्य प्रदेश सेकेंड नंबर पर था। इस बार हमें उम्मीद है कि मध्य प्रदेश नंबर वन आएगा।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 24 जनवरी को महेश्वर में होने जा रही कैबिनेट बैठक को लेकर कहा कि पूरे देश में एक शिव भक्त न्याय प्रिय महारानी के रूप में देवी अहिल्याबाई होल्कर की पहचान रही है। उनके जन्म के 300 वर्ष पूरे हो रहे हैं। देवी अहिल्या की राजधानी महेश्वर थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने निर्णय लिया है कि इस बार देवी अहिल्याबाई जी को समर्पित कैबिनेट करेंगे। उसमें कुछ महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जाएंगे।

एमपी में पहली बार दूसरे जिले में अनुकंपा नियुक्ति

विदिशा के 10 लोग भोपाल में पंचायत सचिव बने

भोपाल-विदिशा,(निप्र)। मध्यप्रदेश में पहली बार दूसरे जिले में पंचायतकर्मियों की अनुकंपा नियुक्ति हुई है। विदिशा के 10 युवा भोपाल में पंचायत सचिव बने हैं। ऐसी ही नियुक्ति अब प्रदेश की अन्य जिला पंचायत में होगी। अभी आधी से ज्यादा जिपं में पंचायत सचिवों के पद खाली है। सरकार ने पिछले साल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में एक जिले से दूसरे जिले में अनुकंपा नियुक्ति देने का रास्ता साफ किया था।

21 जून 2024 को विभाग में अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में गजट नोटिफिकेशन भी हो चुका है। इसके बाद प्रदेश की सभी जिपं ने रिक्त पद की जानकारी पंचायत राज संचालनालय को भेजी थी। यानी, जिन जिलों में पद रिक्त नहीं है और वहां अनुकंपा नियुक्ति दी जाना है तो ये दूसरी जिपं में भी हो सकेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत कई जिलों में पद रिक्त हैं। ऐसे में यहां पर अनुकंपा नियुक्तियां दी जा रही है।

पहले ऐसा होता था- पहले जिस जिले में पद खाली है, अनुकंपा नियुक्ति उसी जिले में होती थी। इससे अनुकंपा नियुक्ति लेने के लिए सालों तक युवा भटकते रहते थे। इससे उन्हें बेरोजगारी के दौर से भी गुजरना पड़ता था।

नियुक्ति देने वाली भोपाल पहली जिपं- सरकार के गजट नोटिफिकेशन के बाद किसी दूसरे जिले की अनुकंपा नियुक्ति देने वाली भोपाल जिला पंचायत पहली जिपं बना है। सीईओ ऋतुराज सिंह ने बताया कि भोपाल में कुल 11 युवाओं को अनुकंपा नियुक्ति दी जानी थी। इनमें से 10 को नियुक्ति देकर ग्राम पंचायतों में सचिव के पद पर नियुक्त किया है। भोपाल में सबसे पहली अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया की गई है।

इन्हें मिली नियुक्ति- जिपं अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, सीईओ सिंह और सदस्यों की मौजूदगी में 10 युवाओं को नियुक्ति संबंधी आदेश दिए गए। इनमें रूद्रेश रघुवंशी, प्रदीप कुमार रघुवंशी, अनुपमा तिवारी, अरबाज खान, शैलेंद्र बघेल, मनोज कुमार शर्मा, नेहा गुप्ता, अभय बघेल, अनुराधा शर्मा और प्रशांत बघेल शामिल हैं। इस दौरान सीईओ सिंह ने युवाओं से बात भी की। इस मौके पर जनप्रतिनिधि दीपक गुर्जर, अनिल हाड़ा, सुरेश सिंह राजपूत, सहायक परियोजना अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि भी मौजूद थे।